राजकोट मंडल के दर्शनीय स्थल

द्वारका मंदिर

चालुक्य शैली में निर्मित द्वारकाधीश मंदिर का इतिहास 2500 वर्ष पुराना है । यह मंदिर जगत मंदिर भी कहलाता है अर्थात पूरी दुनिया का मंदिर । इस मंदिर का निर्माण 1400 वर्ष पूर्व हुआ था जिसमें भगवान कृष्ण की मूर्ति विराजमान है । यह मंदिर हिन्दुओं का सर्वप्रसिद्ध तीर्थ स्थान है और पूरे संसार में यह यात्रियों को आकर्षित करता है । दूसरे मंदिरों में सत्यभामा सुभद्रा , बलराम तथा रेवती , जामवंती देवी, वसुदेव, रुक्मणी देवी तथा देवकी आदि हैं ।

नागेश्वर मंदिर, द्वारका

द्वारका के बाह्य क्षेत्र में नागेश्वर नागनाथ मंदिर भारत के प्रसिद्ध शिवलिंगों में से एक है और यह मंदिर पृथ्वी से बुराइयों के पलायन का प्रतिनिधित्व करता है। शिवजी के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक , इस मंदिर की उत्पति के बारे में एक मान्यता प्रचलित है। शिव पुराण में इस मंदिर की कथा है जिसके अनुसार भगवान शिव ने दारुका नामक राक्षस के वध के उपरांत ज्योतर्लिंग के रूप में यहाँ रहना शुरू किया था। इस स्थान का नाम उसी दारुका राक्षस के नाम पर पड़ा जिसने अपनी मृत्यु से पूर्व भगवान को विनती की थी कि इस स्थान का नाम उसके नाम पर पड़े।

बाला हनुमान मंदिर, जामनगर

बाला हनुमान मंदिर रणमल झील के दक्षिण पूर्वी सिरे पर स्थित है। यह मंदिर 1 अगस्त 1960 से लगातार चौबीसों घंटे चलने वाले जाप श्रीराम जय राम जय जय राम के कारण प्रसिद्ध है। इसी के कारण यह गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स मे दर्ज है। मंदिर ने दिनांक 8.8.2013 को 50 वर्ष से भी अधिक समय अर्थात 17904 दिन तक पूरे जाप किए है।

रणजीत विलास महल, वांकानेर

यह महल मोरबी से महज 35 किमी दूर स्थित वांकानेर शहर पर नजर रखने के लिए अमर सिंह जी द्वार बनवाया गया था । महल की रूपरेखा विभिन्न स्थापत्य शैलियों का मिश्रण है । महल में मुगल कालीन गुंबद , कलात्मक काँच युक्त विक्टोरियन शैली की खिड़कियां, गोथिक मेहराबें तथा डच शैली में बना एक बड़ा केन्द्रीय कक्ष है । महल में कटारें , असंख्य तलवारें, ढ़ालें जैसे पुराने हथियारों का जखीरा है ।

रामकृष्ण आश्रम, राजकोट

इस आश्रम की स्थापना रामकृष्ण परमहंस मिशन द्वारा राजकोट के याग्निक रोड पर सन 1927 में की गई । आश्रम में रामकृष्ण के जीवन का चित्रण है तथा यह सार्वभौमिक भाईचारा एवं धार्मिक समरसता पर बल देता है । यह लाल पत्थरों से निर्मित है तथा यहां विभिन्न सामाजिक कल्याणप्रद क्रिया कलाप चलते रहते है । रामकृष्ण आश्रम मठ है जो वेदान्त की सार्वभौमिक शिक्षाओं का केन्द्र भी है ।

स्वामीनारायण मंदिर, राजकोट

स्वामीनारायण मंदिर राजकोट के सबसे पवित्र स्थान के रूप से प्रसिद्ध है । यह बी.ए.पी.एस. (बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था) के द्वारा सन 1998-99 में स्थापित किया गया था । बी.ए.पी.एस.एक आध्यात्मिक एवं मानवतावादी संगठन है जो वेदों को अपना आधार मानता है ।